


परमैरली देवी

नाम दुर्गा देवी

पानं

29/2017

31/1/22 पञ्चपत्नी के ली लील
 ताम्बी उपवाज करण शांफर तम्पर अमी
 01/1/22 लील ताम्बी के करण के
 शांफर तम्पीकर कर धन वाद
 के निस्तारण तक अप्राभगिण के
 जसिं अस्थारी निषेधासा के पांछद
 जिसे जिन के निषेधन आ। पञ्चपत्नी
 में अगलील वापसी को 192 के जवाब
 तम्पर गरी आ गोर गरी एक
 हेर-भायालय उपक्रियत होकर शांफर तम्
 का खण्डन आ। अतः ताम्पी का शांफर
 (T.I) स्वीकार किया जाकर अप्राभगिण
 के जसिं अस्थारी निषेधासा के पांछद
 किया जाता है कि विवाहित काराजीयत
 20-1-2001, 2002 तक अता 2 तक खण्डन
 0-24 है। अतः 24/1/22 तम्पील वाद
 निस्तारण में शपथ रिडॉर जी
 24/1/22 मुक वाद के निस्तारण तक
 अता 2 खण्डन हेर पोषण आ जाता है।
 पञ्चपत्नी केरुल अतः होकर तम्पर
 के कर दो शायिल पत्न है। निष्प
 दुले भायालय के अता 24/1/22


 सहायक कलक्टर (द्वितीय) सीकर